

## Mandal Level Science Model Exhibition Held at Khwaja Moinuddin Chishti Language University, Lucknow



**ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ**



श्रीमती आनदीबेन पटेल  
माननीय राज्यपाल



मुख्य अतिथि  
प्रो० अजय तनेजा  
भाषा विभाग कुलपति

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग-उत्तर प्रदेश शासन  
द्वारा आयोजित मंडल स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता

एवं

**सम्मान समारोह**

मे

**सभी का स्वागत है**



डॉ० डी०बी० सिंह  
समन्वयक



डॉ० अभय कृष्णा  
कार्यक्रम समन्वयक

स्थान : अटल हाल

दिनांक- 8 जुलाई 2025, समय-10:00 बजे से 2:00 तक

**Date:** 08/07/2025

**Venue:** Khwaja Moinuddin Chishti Language University, Lucknow

**Jointly Organized by:** Department of Applied Sciences & Humanities, K. M. C. L. U, Lucknow & N. E. R. F India

### Overview

KMCLU successfully hosted a **Mandal Level Science Model Exhibition**, bringing together students, researchers, academicians, and eminent scientists. The event aimed to cultivate a spirit of scientific inquiry, creativity, and innovation among the younger generation and emphasized the vital role of science and technology in nation-building.

### Organizers

**Chief Guest:** Prof. Ajay Taneja, Hon'ble Vice Chancellor K.M.C.L.U. Lucknow.

**Convenor:**

- Dr. Abhay Krishna, Assistant Professor, Chemistry Dept. of Applied Sciences & Humanities K.M.C.L.U. Lucknow

- Dr. D. B. Singh Chairman, N. E. R. F India. Associate Dean, Chairman, Micro-Molecular & Biophysics Laboratory. Dept. Of Physics, DSMNR, University, Lucknow

## Speakers and Guests

- Prof. P.M.S Chauhan, Scientist CSRI-CDRI Lucknow
- Prof. Karuna Shankar, Scientist CIMAP Lucknow

## Key Highlights

- Prof. Ajay Taneja welcomed the chief guests with angavastra and floral bouquets, honoring them in a traditional gesture of respect. In his address, he said that *science and technology are the foundation of national development*, and emphasized that universities must provide platforms where students can develop critical thinking and apply their knowledge to solve real-world problems. He later visited the science model exhibition and appreciated the innovative efforts of students.
- Prof. P.S.S. Chauhan said that *science should not be confined to laboratories*, but should become part of everyday life. He stressed that students must adopt a research-driven and logical approach to tackle societal challenges. He showed keen interest in the student projects and praised models like the Hydrogen Engine, Smart Dustbin, and Rainwater Harvesting System for addressing practical issues.
- Guest Scientists collectively said that *cultivating a scientific mindset in youth is essential for building an informed, inclusive, and sustainable society*. They interacted with students during the exhibition and appreciated models such as the Pratraki Sanitary Pads for menstrual hygiene, and the Tesla Coil for demonstrating wireless power transmission, encouraging students to pursue science that directly benefits society.
- After visiting the science exhibition, the guests participated in a prize distribution ceremony to recognize and encourage outstanding student contributions. All participating students received certificates of participation to acknowledge their efforts and involvement in the exhibition.
- The event concluded with a group photograph session and expressions of gratitude from faculty and students, marking the end of a successful and inspiring program.

## Glimpses of the Event







**Press Release**







# भाषा विवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं मंडल स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी आयोजित



## अवधानामा ब्यूरो

**लखनऊ।** भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में आज राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं मंडल स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सीडीआरआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. पी.एम.एस. चौहान और सिमैप के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. करुणा शंकर उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने विशिष्ट अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्र प्रदान कर किया।

अपने स्वागत अभिभाषण में अतिथियों का स्वागत करते हुए कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा, 'विज्ञान और तकनीक किसी भी राष्ट्र की प्रगति की रीढ़ होते हैं। विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल पाठ्य पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि शोध, नवाचार और सामाजिक सरोकारों से जुड़े वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना भी है। इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में अनुसंधान के प्रति उत्सुकता उत्पन्न करते हैं और उन्हें अपने विचारों को साकार करने का मंच प्रदान करते हैं। विश्वविद्यालय गर्व महसूस करता है कि आज हमारे

परिसर में इतने प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों और विद्वानों की उपस्थिति है, जो हमारे छात्रों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेंगे। साथ ही, इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. पी.एम.एस. चौहान ने प्रतिभागियों को वैज्ञानिक अनुसंधान को जीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सोचने, प्रश्न उठाने और नए समाधान खोजने की एक प्रक्रिया है जिसे हमें अपने दैनिक जीवन में अपनाना चाहिए। प्रो. चौहान ने युवाओं से आह्वान किया कि वे जिज्ञासा को जीवित रखें, वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करें और अपने आसपास की समस्याओं को सुलझाने में विज्ञान को उपकरण के रूप में इस्तेमाल करें। उन्होंने यह भी कहा कि आज की पीढ़ी के पास अपार संभावनाएं हैं, बशर्ते वे अनुशासित, समर्पित और निरंतर शोधशील बने रहें। वैज्ञानिक सोच ही वह आधार है जिस पर सशक्त, समृद्ध और सतत विकासशील समाज की नींव रखी जा सकती है।

